Banerjee (West Bengal),), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri P. P. Suneer (Kerala), Smt. Mausam B Noor (West Bengal), Smt. Sagarika Ghose (West Bengal), Shri A. A. Rahim (Kerala), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Sandosh Kumar P (Kerala),), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shri Ramji (Uttar Pradesh).

Now, Shri Neeraj Dangi - Demand for Removal of 18 per cent GST on insurance policies for senior citizens. ...(*Interruptions*)...

Demand for removal of 18 % GST on insurance policies for senior citizens

श्री नीरज डांगी (राजस्थान): माननीय उपसभापति जी, आपका हार्दिक आभार कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। जैसा कि सर्वविदित है कि वृद्धावस्था में उम्र बढ़ाने के साथ-साथ आय कम हो जाती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं, जिससे दवाओं की अधिक आवश्यकता होती है और चिकित्सा खर्च भी बढ़ जाता है। इन कारणों से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का प्रीमियम भी बढ़ जाता है। ऐसे में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। बढ़ती उम्र के साथ बढ़ती हुई इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए सरकार को कोई ठोस कदम उठाना चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा, हेल्थ प्रीमियम पर भुगतान किए जाने वाले मौजूदा 18 प्रतिशत जीएसटी से छूट दी जानी चाहिए। यदि यह कदम उठाया जाता है, तो स्वास्थ्य देखभाल सस्ती हो सकती और वृद्ध पॉलिसीधारकों के लिए बीमा की लागत कम हो सकती है, जो समावेशी स्वास्थ्य देखभाल, हेल्थ केयर को बढ़ावा देने के सरकार के व्यापक एजेंडा का हिस्सा बन सकता है।

भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों का प्रीमियम कम करने के लिए कई तरीकों से आवश्यक कदम उठा सकती है, जैसे एक दृष्टिकोण में वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम में सब्सिडी देना, जो वरिष्ठ नागरिकों को रियायती प्रीमियम की पेशकश करने वाली बीमा कंपनियों को टैक्स देकर प्राप्त किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य बीमा अधिक किफायती और सुलभ हो सके। इसी प्रकार एक अन्य रणनीति के तहत बीमा क्षेत्र में एफडीआई यानी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाना, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और प्रीमियम कम हो सकता है। फिलहाल बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 74 फीसदी है, हालाँकि इस बजट में इसे 100 प्रतिशत किए जाने का ऐलान है।

आमजन को इसका लाभ कब मिलेगा, यह एक अन्य प्रश्न है। भारत सरकार द्वारा लागू आयुष्मान भारत योजना, जो 70 वर्ष और उससे अधिक की आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने का दावा करती है, इस योजना का और विस्तार कर इसमें 70 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। इन उपायों को लागू करके भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा को अधिक किफायती और सुलभ बनाने में मदद कर सकती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें चिकित्सा देखभाल व चिकित्सा सुविधा बिना किसी वित्तीय बोझ के प्राप्त हो सके।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अपेक्षा करता हूँ कि वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ 5 लाख रुपये तक की कवरेज वाले गैर वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को हटाया जाना चाहिए और लाख रुपए से अधिक के स्वास्थ्य कवर पर प्रीमियम के मौजूदा 18 प्रतिशत के मुकाबले 5 प्रतिशत जीएसटी किया जाना चाहिए, ताकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी यह स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम अफॉर्डेबल बन सके। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिंद!

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Neeraj Dangi: Shri Haris Beeran (Kerala), Smt. Jebi Mather Hisham (Kerala), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri P. P. Suneer (Kerala), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Shri G.C. Chandrashekhar (Karnataka), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Smt. Phulo Devi Netam, (Chhattisgarh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Ms. Sushmita Dev (West Bengal) and Smt. Ranjeet Ranjan (Chhattisgarh). Now, Shrimati Jebi Mather Hisham; 'Need to promote Indian art, literature and cinema in order to nurture creative expressions'. Mr. A.A. Rahim and Dr. John Brittas are associating.

Need to promote Indian art, literature and cinema in order to nurture creative expressions

SHRIMATI JEBI MATHER HISHAM (Kerala): Sir, as I rise to talk about the need to promote Indian art, literature and cinema in order to nurture creative expressions, I wish to draw the attention of this House to a 2019 Malayalam movie, Lucifer, a political thriller, which was a blockbuster hit. As a sequel to Lucifer, Empuraan was released. Empuraan is an epic Malayalam cinematic creation in terms of its impeccable standard in its making powerful message. ..*(Interruptions)*.. It carries the spine and the courage the maker himself shows. ..*(Interruptions)*..*

* Not recorded.